(ग) क्या कुछ जहाजी कम्पनियां इस संगठन की सदस्य हैं और क्या वे भारतीय तटवर्ती व्यापार में भी भाग लेंगे ?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Railways and Transport (Shri Shahnawaz Khan): (a) Government have seen the Press reports that have appeared regarding the formation of a Japan/Persian Gulf Shipping Conference, but beyond these they have no information in the matter.

(b) and (c). No. The Indian coastal trade has been reserved for Indian Shipping and there is no question of any foreign shipping company being allowed to participate in that trade.

श्री रघुनाथ सिंह: कौन लाइन्स इस सरविस में वर्क करेंगी और बम्बई और हिंदुस्तान के जो दीगर पोर्ट हैं वहां पर आवेंगी या नहीं, क्या यह बात मालूम है? इस कान्फ्रेंस में जो बात तय हुई है वह यह हुई है कि दस लाइन्स इस में वर्क करेंगी और वह बम्बई और हिंदुस्तान के जो पोर्ट्स हैं उन में आवेंगी, तो इस संबंध में कोई सलाह भारत सरकार से ली गई है या नहीं ?

श्री शाहनवाज खां: इस सिलसिले में सरकारी तौर पर भारत सरकार को कोई इल्म नहीं है और हम ने भी वही अखबार की खबर पढ़ी है जो मेरे आनरेबिल दोस्त ने पढ़ी है ।

श्री रघुनाथ सिंह: क्या इस में जांच करने की आप कोई कोशिश करेंगे ?

रेल तथा यातायात मंत्री (श्री एल० बी० शास्त्री) : यह जहाज अगर हिन्दुस्तान के पोर्ट पर आना चाहें तो उस में तो किसी तरह की रुकावट नहीं हो सकती, किसी फारेन गवर्नमेंट के लिये बन्धन नहीं है। लेकिन वह हमारी कोस्टल शिपिंग में हिस्सा ले सकें इस बात के लिये उन्हें इजाजत लेनी पड़ेगी।

Dr. M. M. Das: May I know whether the monopoly for coastal shipping given to the Indian companies has resulted in abnormally high freights for the coastal shipping?

Shri L. B. Shastri: We have not received any such complaint either from the Indian Shipowners' Association or from any other organisation.

Shri G. P. Sinha: May I know whether Government is associated in the fixation of freight for this shipping?

Shri L. B. Shastri: No. It is the function of the shipping company.

CIRCULAR RAILWAY AROUND DELHI

*1143. **Shri M. L. Dwivedi:** Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether Government had abandoned their scheme of a Circular Railway round about Delhi to link up the various townships of displaced persons, forming Greater Delhi;

(b) if so, which major considerations led them to do so;

(c) what other alternatives Government have thought to meet this requirement; and

(d) how long it will take for them to materialize?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Railways and Transport (Shri Shahnawaz Khan): (a) and (b). The Ministry of Railways had drawn up no scheme for a Circular Railway round about Delhi to link up the various townships of displaced persons and the question of abandonment does not therefore arise.

(c) and (d). Do not arise.

श्री एम० एल० द्विवेदी: दिल्ली की बढ़ी हुई आबादी को देखते हुए क्या सरकार ने यह जरूरी नहीं समझा कि यहां पर भी रेल की सुविधा देनी चाहिये ?

Mr. Deputy-Speaker: It is a suggestion for action

Shri M. L. Dwivedi: May I know...

Mr. Deputy-Speaker: He is arguing the need for having such a railway.

Shri M. L. Dwivedi: No, Sir. I want to ask another question.

दिल्ली के आसपास रेलवे बनाने के लिये सरकार ने कोई नाप जोख या कोई जांच

पड़ताल की है या कराने की कोशिश कराई जा रही है ?

श्री शाहनवाज खां: न की है और न कोशिश की जा रही है ।

Shri Raghuramaiah. In view of the importance of Delhi and its rapid expansion, may I know whether Government have any scheme for having a, not circular. but straight railway connecting the different parts of Delhi, preferably electrical railway running either underground or over-ground?

Mr. Deputy-Speaker: It is a suggestion for action.

Shri Raghuramaiah: No. Sir. Have they any scheme for a straight railway?

Shri Shahnawaz Khan: No.

श्री राधा रमण : अगर कोई ऐसी स्कीम गवर्नमेंट के ख्याल में नहीं थी तो क्या कोई और तजवीज या ऐसा प्रस्ताव जिस पर आपस में बहस हुई हो ख्याल में लाया गया था ?

रेल तथा यातायात मंत्री (श्री एल० बी० शास्त्री): एक जमाना हुआ जब शायद इस बात पर गौर हुआ था कि दिल्ली में एक सरक्युलर रेलवे बनाई जाय । मगर वह बात एक कमेटी के दरज तक ही रही, उस से आगे नहीं गयी और इस वक्त मुनासिब यही मालूम होता है कि सरक्युलर रेलवे दिल्ली के लिये फ़ायदेमन्द नहीं होगी, क्योंकि उस में फैलाव के लिये, ऐक्सपान्शन के लिये, जगह नहीं होगी । इस वक्त खयाल यही है कि हम बस सरविस, ट्रांसपोर्ट सरविस को बढ़ावें और हम बराबर कोशिश कर रहे हैं कि ४०० बसें हमारी डी० टी० एस० में चलने लगें तो यह काम बहुत आसानी से चल सकेगा ।

श्री एम० एल० द्विवेदी: क्या मैं पूछ सकता हूं कि ४०० बसों के मुकाबले में जो रेलवे निकाली जायगी तो उस पर ज्यादा खर्चा होगा, पैट्रोल वगैरह सब का ख्याल कर के ज्यादा खर्चा होगा ?

श्री शाहनवाज खां: हां, साहब, उस से बहुत ज्यादा होगा, छः गुना ज्यादा होगा ।

श्री नवल प्रभाकर : क्या माननीय मंत्री जो अगला प्लान बनेगा, पंच वर्षीय योजना बनेगी, उस में इस पर विचार करेंगे ?

श्री राधा रमण: क्या मैं मंत्री जी से यह पूछ सकता हूं कि कलकत्ते में जो सरक्युलर रेलवे बनाने की आयोजना थी वह हाथ में है और उस की वजह से इस रेलवे के विचार को स्थगित कर दिया गया है ?

श्री शाहनवाज खां: नहीं कलकत्ते की सरक्यूलर रेलवे के साथ इस का कोई ताल्लुक नहीं है । एक सेंट्रल कोआर्डिनेशन कमेटी बक्र्स, माइन्स, पावर मिनिस्ट्री के तहत में बनी थी । उस कमेटी ने सिफारिश की थी कि सरक्युलर रेलवे की दिल्ली में जरूरत नहीं है, और दिल्ली की ट्रांसपोर्ट प्राबलम को हल करने के लिये पहले तो बस सरविस में बसों की तादाद ४०० तक बढ़ाई जाय और फिर ट्राली इलैक्ट्रिक बसों के तौर पर चलाई जाय ।

श्री राधा रमण : क्या मैं मंत्री जी से यह पता लगा सकता हूं कि उन की यह योजना ४०० बसों की दिल्ली के चारों तरफ़ ट्रांसपोर्टेशन के सवाल को हल करने के लिये कब तक पूरी हो जावेगी ?

श्री शाहनवाज खां: यह जो तहकीकात की गयी है उस से पता चला है कि ४०० बसें चलाने से दिल्ली की जो ट्रांसपोर्ट प्राबलम है व हल हो सकती है ।

COST OF PRODUCTION OF FOOD CROPS

***1144. Shri Madiah Gowda:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether the cost of production of any of the food crops, has been enquired into; and